मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 16 अक्टूबर 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	17/10/18	18/10/18	19/10/18	20/10/18	21/10/18
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	37	36	36	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	20	20	19	19	19
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	3	2	3	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	72	73	75	76	79
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	12	15	16	18	19
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	4	7	5	7	6
हवा की दिशा	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण	पूर्व	पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
सरसों / राया	बुवाई	सिंचित क्षेत्र मे सरसों की बुवाई के लिए उचित समय 15 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक है। पूसा सरसों–25, पूसा सरसों–26, पूसा सरसों–27, एन. आर.सी.एच.बी–101, सी.एच–52, टी–59, आर.एच–30, बायो–902 ,जी.एम–2 व आर.एच–819 उन्नत किस्में है। बुवाई के लिए 4–5 किलो बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त रहता है। सफेद रोली रोग के प्रकोप से बचाने के लिए बीज को मेटालेक्सिल 35 एस.डी 6 ग्राम प्रति किलो बीज की दर उपचारित करें। बुवाई के समय 30 किलो नत्रजन व 30 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
चना	बुवाई	चने की बुवाई करें। सी–235, आर.एस.जी–44, आर.एस.जी–888, आर.एस. जी–896, जी.एन.जी–1488, आर.एस.जी–974, जी.एन.जी–1958 व जी.एन. जी–663, चने की उन्नत किस्में है। बुवाई हेतु 80–100 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त रहता है। बुवाई से पहले बीज को कार्बेण्डेजिम 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। 20 किलो नत्रजन व 25 किलो फास्फोरस प्रति हैक्टेयर की दर से बुवाई के समय दें।
रिजका बरसीम व जई		चारे वाली फसलें जैसे रिजका, बरसीम व जई की बुवाई के लिए खेत तैयार करें। जावी–8, ओ.एल–9, ओ.एल–529 व केन्ट, डी.एफ.ओ–57 जई की उन्नत किस्में हैं। आन्नद–2, एल.एल.सी–3, टाईप–9 व सिरसा–8 रिजका की उन्नत किस्में है। मसकावी व वरदान बरसीम की उन्नत किस्में है।

(नौडल ऑफीसर)